सदस्य बनें

सच और सरोकार की पत्रकारिता से जुड़ें
वार्षिक सदस्यता : ₹ 500 मात्र

पूरा वर्ष अख़बार निःशुल्क
पैनल विज्ञापन दें
अपने व्यवसाय/संस्था का प्रचार करें 'जन जन विचार' में।
किफायती • प्रभावी • विश्वसनीय
संपर्क : 69001 26012

जन जन की बात जन जन तक

साप्ताहिक

जन जन विचार

RNI Regd No. ASMUL/25/A2367::Guwahati, Friday, 1 May 2026 :: Vol-16 Year-1 :: शुक्रवार । 1 मई 2026 । शक संवत 1948 । वैशाख । शुक्ल । पूर्णिमा :: पृष्ठ-8 । मूल्य - 5 रुपए

अंदर पढ़ें

3. जुबिन के मैनेजर के खाते...
4. 'धर्म पथ' पर मोदी- शाह
5. बिहार पुलिस भी करने ...
7. पाक हॉकी की टेंशन

जन चिंतन
धनेश्वर चौधरी

हिंदू पर भरोसा

क्या पश्चिम बंगाल का चुनाव इस बार विकास बनाम पहचान की राजनीति के बीच सिमट गया? क्या यह सच है कि चुनावी मैदान में हिंदू और मुस्लिम मतदाताओं के बीच स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला, या यह राजनीतिक दलों की रणनीति का परिणाम था?

एग्जिट पोल जिस बदलाव की ओर इशारा करते हैं, वह कई सवाल खड़े करता है। क्या बहुसंख्यक हिंदू मतदाता ने खुद को लंबे समय से उपेक्षित महसूस किया और अब संगठित होकर प्रतिक्रिया दी? वहीं, क्या मुस्लिम मतदाता ने भी एकजुट होकर अपनी राजनीतिक पसंद को स्पष्ट किया? अगर ऐसा है, तो क्या यह लोकतंत्र की मजबूती है या समाज में बढ़ती दूरी का संकेत?

'हिंदू पर भरोसा' इस बार भाजपा का केवल भावनात्मक अपील नहीं रहा, बल्कि एक राजनीतिक संदेश के रूप में उभरा। भारतीय जनता पार्टी इसे सांस्कृतिक स्वाभिमान और समान अधिकारों की लड़ाई बताती है, जबकि विरोधी दल इसे विभाजनकारी राजनीति करार देते हैं। सच आखिर कहां है?

सबसे तीखा सवाल यही है-क्या बंगाल का चुनाव मुद्दों से हटकर पहचान की लड़ाई बन गया? और अगर हां, तो इसका भविष्य की राजनीति और सामाजिक सौहार्द पर क्या असर पड़ेगा?

अंततः, एग्जिट पोल से आगे बढ़कर असली परीक्षा नतीजों और उसके बाद की राजनीति की होगी। क्या बंगाल संवाद और संतुलन की राह चुनेगा, या ध्रुवीकरण की यह रेखा और गहरी होगी-जनता ही इसका उत्तर देगी।

'हिंदुत्व' का डंका, विरोधी पस्त

असम में तीसरी बार मोदी सरकार

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

2026 विधानसभा चुनावों के नवीनतम एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए असम में आराम से बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखने के लिए तैयार है। यह पोल सत्तारूढ़ गठबंधन को सीटों और वोट शेयर दोनों में निर्णायक बढ़त का अनुमान लगाता है। 126 विधानसभा सीटों में से, एनडीए को 88 से 100 सीटें जीतने की उम्मीद है, जो बहुमत के आंकड़े से काफी अधिक है।

सभी एग्जिट पोल में एनडीए आगे

एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
चाणक्य स्ट्रैटजी	88-98	22-32	3-5
पीपल्स पल्स	68-72	22-26	11-15
एक्सिस माय इंडिया	88-100	24-36	0
मैट्रिज	85-95	25-32	6-12

अकेले भाजपा को 70 से 80 सीटें मिलने का अनुमान है, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में उसके प्रभुत्व को फिर से स्थापित करता है।

इसके सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) संभवतः 16 से 20 सीटें और जीतेंगे, जिससे गठबंधन की कुल सीटों की संख्या में मजबूती आएगी। तुलनात्मक रूप से कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन (कॉन्ग्रा+) को 24 से 36 सीटें मिलने का अनुमान है, जो दर्शाता है कि विपक्ष की स्थिति में मामूली सुधार होने के बावजूद, वह एनडीए को कड़ी चुनौती देने से अभी

शेष पृष्ठ 3 पर

बंगाल में भाजपा का खुलेगा खाता!

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग खत्म होने के बाद तमाम एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए। अधिकांश एग्जिट पोल के नतीजे बता रहे हैं कि बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को सत्ता गंवानी पड़ेगी। हालांकि ये एग्जिट पोल के नतीजे हैं और असली नतीजों के लिए 4 मई तक का इंतजार करना पड़ेगा।

दो चरणों में बंगाल की 294 सीटों पर वोटिंग हुई। इस बार मतदाताओं ने जमकर वोटिंग की जिसका नतीजा हुई कि एक

शेष पृष्ठ 3 पर

केरल में कांग्रेस की वापसी

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के एक दशक बाद केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) से सत्ता छीनने की संभावना है। एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन को स्पष्ट बढ़त मिल रही है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के एलडीएफ की स्थिति खराब होने की आशंका

शेष पृष्ठ 3 पर

तमिलनाडु : डीएमके को पूर्ण बहुमत

एग्जिट पोल के अनुसार, द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) तमिलनाडु में आराम से सत्ता बरकरार रखने के लिए तैयार है। उसने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन और अभिनेता से राजनेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कजगम

शेष पृष्ठ 7 पर

पुडुचेरी : एनडीए को बढ़त, कांग्रेस पिछड़ी

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के लिए सभी 30 सीटों पर एक ही चरण में 9 अप्रैल को मतदान कराया गया। मतगणना 4 मई को होगी। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 17 सीटों की जरूरत होगी। इस बीच अब एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आ रहे हैं। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, एनडीए गठबंधन को 16 से 20 सीटें मिलने

शेष पृष्ठ 3 पर

जुबिन के बिना बहाग : सूनी पड़ी असम की रागिनी

जन जन विचार
...✍ अनुपमा डेका

असम में बहाग बिहू सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन की धड़कन है। लेकिन इस वर्ष यह धड़कन कहीं धीमी पड़ गई है। कारण—प्राण के कलाकार जुबिन गर्ग की अनुपस्थिति। 'जुबिन के बिना बहाग' सुनने में जितना अजीब लगता है, इस बार उतना ही सच्चा भी महसूस हो रहा है।

कभी जुबिन की आवाज ही असम में बसंत के आगमन का संदेश देती थी। जैसे कोयल की कूक से ऋतु का संकेत मिलता है, वैसे ही उनके बिहू गीतों से हर घर में उत्सव की शुरुआत होती थी। पर इस बार कोयल तो गा रही है, ढोल-पीपा भी बज रहे हैं, लेकिन दिलों में वह उमंग नहीं है। हर ओर एक अजीब सन्नाटा और खालीपन महसूस हो रहा है।

सितंबर 2025 में आई उनकी असामयिक मृत्यु की खबर ने पूरे असम को स्तब्ध कर दिया था। आज भी उस घटना की याद और उससे जुड़े सवाल लोगों के मन में जिंदा हैं। सात महीने बीत जाने के बाद भी लोग यह समझ नहीं पाए हैं कि आखिर उनके प्रिय कलाकार के साथ क्या हुआ। न्याय की प्रतीक्षा अब भी जारी है।

जुबिन केवल एक गायक नहीं थे, बल्कि असम की आत्मा थे। उनके गीतों में मिट्टी की खुशबू थी, उनकी आवाज में लोगों का दर्द और खुशी दोनों झलकते थे। बिहू मंच उनके लिए सिर्फ प्रस्तुति का स्थान नहीं, बल्कि परिवार जैसा था, जहां वे खुलकर हंसते, बोलते और गाते थे।

इस बार कई बिहू समितियों ने सादगी से आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह बहाग मानो उत्सव कम और विरह अधिक बन गया है।

फिर भी, असमिया समाज यह मानता है कि जुबिन कहीं गए नहीं हैं। वे अपने गीतों में, यादों में और हर बिहू की धुन में जीवित हैं। जब-जब 'उजान पिरिती' या बिहू के सुर गूंजेंगे, जुबिन की मौजूदगी महसूस होगी। बहाग आता रहेगा, बिहू मनता रहेगा, लेकिन जुबिन की कमी हमेशा एक अधूरी धुन की तरह दिलों में गूंजती रहेगी।

पीएनबी का मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा गुवाहाटी में मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नार्थ ईस्टर्न डेवलपमेंट फाइनांस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नेड्फी) परिसर में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को मजबूत करना और उद्यमिता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जेबी एक्का उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसमें बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और अधिक निवेश आकर्षित करने पर जोर दिया।

पीएनबी के अधिकारियों ने भी एमएसएमई क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन में बैंक की भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान कई उद्यमियों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए, जिससे उनके व्यवसाय के विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ।

गुवाहाटी में कला व ममता का अनूठा संगम

'इवेंट्स इनफिनिटी' मनाएगा रवींद्र जयंती और मदर्स डे उत्सव

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

महानगर की प्रतिष्ठित इवेंट मैनेजमेंट संस्था 'इवेंट्स इनफिनिटी' द्वारा आगामी 10 मई एक बेहद खास और गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 'जहां ममता की छांव हो और गुरुदेव की वाणी' के ध्येय वाक्य के साथ यह शाम विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर की कालजयी रचनाओं और 'मां' के निस्वार्थ प्रेम को समर्पित होगी।

संस्था के संस्थापक और प्रमुख अक्की आकास जैन जम्मड़ ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को जीवंत करने का एक जरिया है। संयोगवश इस वर्ष रवींद्र जयंती और मदर्स डे एक ही दिन होने के कारण, 'इवेंट्स इनफिनिटी' ने इसे एक यादगार अनुभव बनाने की पूरी तैयारी कर ली है।

समारोह में रवींद्र संगीत की शास्त्रीय प्रस्तुतियों के साथ-साथ टैगोर की उन विशेष रचनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा जो मातृत्व के विभिन्न रूपों को दर्शाती हैं। इसके अलावा, नृत्य नाटिका और काव्य पाठ के माध्यम से बांग्ला संस्कृति और आधुनिक भावों का मेल देखने को मिलेगा। इस शाम का सबसे भावनात्मक पहलू उपस्थित सभी माताओं के लिए आयोजित विशेष 'सम्मान समारोह' होगा।

साप्ताहिक राशिफल

1 से 7 मई 2026 ।। विक्रम संवत 2083-मास : वैशाख, पक्ष : शुक्ल, तिथि : पूर्णिमा

मेष — **यह** सप्ताह आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती बनी रहेगी, लेकिन व्यापारिक दृष्टि से कुछ परेशानियाँ संभव हैं।

वृषभ — **आर्थिक** एवं व्यापारिक कार्यों में सफलता के अवसर खुलेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग हैं।

मिथुन — **कार्य** क्षेत्र या नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। आर्थिक उन्नति एवं व्यापार में सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा।

कर्क — **आत्मविश्वास** की वृद्धि से कार्यों में नई सफलता के योग हैं। संतान पक्ष से सुख का अवसर मिलेगा। खान-पान में रुचि बढ़ेगी।

सिंह — **यह** सप्ताह थोड़ा संघर्षशील हो सकता है। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें। विवादों से अपने आपको दूर रखें।

कन्या — **सप्ताह** के प्रारंभ में थोड़ा तनाव का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी कार्य करते रहने से लाभ मिलेगा।

तुला — **मित्रों** के सहयोग से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक वातावरण सुखमय बना रहेगा। कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

वृश्चिक — **इस** सप्ताह आप अपने कार्यों के प्रति सजग और उत्साह से भरे रहेंगे। सभी क्षेत्रों से लाभ के योग बन रहे हैं।

धनु — **आर्थिक** एवं व्यापारिक क्षेत्रों में सावधानी बरतें। गुरुजनों से मार्गदर्शन लें। परिवार में बच्चों एवं आपके कार्यक्षेत्र में सफलता रहेगी।

मकर — **अपने** कार्य क्षेत्र में आपको अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्य और संयम से कार्य करने पर लाभ मिलेगा।

कुंभ — **व्यापारिक** क्षेत्र में कुछ नया अनुभव प्राप्त हो सकता है, जो आने वाले समय में लाभदायक रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा।

मीन — **यह** सप्ताह आपके लिए सभी क्षेत्रों में लाभदायक रहेगा। किसी नए कार्य के प्रारंभ करने का अवसर मिलेगा।

सप्ताह के पर्व/त्योहार

1 मई : शुक्रवार :
वैशाख पूर्णिमा (बुध पूर्णिमा)

5 मई :मंगलवार :
अंगारक गणेश संकष्टी चतुर्थी

भाग्योदय
●ज्योतिर्विद् आचार्य अखिलेश्वर शुक्ल
भाग्योदय : पहला तल्ला, सेंट्रल प्लाजा, एमएस रोड
फैंसी बाजार, गुवाहाटी-781001 मो.-94350 40387

जुबिन के मैनेजर से जुड़े खातों को फ्रीज करने के निर्देश

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

गुवाहाटी। असम के चर्चित जुबिन गर्ग मौत मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अहम कदम उठाते हुए मैनेजर के सहयोगियों से जुड़े कई बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने 'महाबीर एक्वा' नामक व्यवसायिक इकाई को जब्त करने के निर्देश भी दिए हैं, जिसे मैनेजर से जुड़ा बताया जा रहा है।

मामले में मुख्य आरोपी और दिवंगत गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। कोर्ट का यह फैसला वित्तीय लेन-देन और संभावित कड़ियों की गहराई से जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पहले की सुनवाई में गायक के एक करीबी बैंड सदस्य ने केस की दिशा भटकाने की कोशिशों पर सवाल उठाए थे। वहीं, बचाव पक्ष ने आरोपों से मुक्ति की मांग की, लेकिन अभियोजन पक्ष ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ट्रायल जारी रखने पर जोर दिया।

जांच के दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कई अहम डिजिटल सबूत और जुबिन गर्ग का मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिन्हें केस में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मामले में श्यामकानु महंत समेत अन्य लोगों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है।

इधर, सिंगापुर पुलिस की जांच में इस घटना को दुर्घटनावश डूबने का मामला बताया गया है, लेकिन असम की एजेंसियों ने साफ किया है कि राज्य में चल रही जांच स्वतंत्र रूप से जारी रहेगी और विदेशी रिपोर्ट का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अब इस मामले में अगली सुनवाई और संभावित जमानत याचिका को बेहद अहम माना जा रहा है। पूरे असम की नजर इस केस पर टिकी हुई है, जहां न्याय की प्रतीक्षा अब भी जारी है।

भारत विकास परिषद का 31वां प्रांतीय सम्मेलन गुवाहाटी में संपन्न

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

भारत विकास परिषद असम प्रांत का 31वां वार्षिक प्रांतीय सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में गुवाहाटी के लोहिया लॉरेंस ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रांत के अध्यक्ष डॉ. के बरुवा, प्रो. प्रेमजीत सिंह तथा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. देवव्रत दास सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। इसके बाद राष्ट्रगान और असम संगीत प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति से ओत-प्रोत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य उपस्थित रहे।

उनका स्वागत फूलाम गामोछा से किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने परिषद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं को संगठन से जुड़कर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें सदस्यों और कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

इस कार्यक्रम में संतलाल मित्तल, निर्मल क्रांति दे, विमल अग्रवाल, अभय घोषाल, ओमप्रकाश भंसाली, डॉ. राधेश्याम तिवारी सहित कई प्रमुख सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिलचर में आईपीएल सट्टेबाजी पर कार्रवाई

जन जन विचार
...✍ सिलचर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ कछार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित जुआ गिरोह का भंडाफोड़ किया है। देर रात हुई इस विशेष रेड में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिससे शहर में चल रहे अवैध नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

पुलिस के अनुसार, विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद एडिशनल एसपी (क्राइम) रजत कुमार पाल के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व डीएसपी भास्कर सैकिया और थाना अधिकारियों ने किया। कार्रवाई के दौरान समीर अजीज को मौके पर ही सट्टेबाजी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।

पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार अन्य आरोपियों सैबुल हुसैन लस्कर, जहीर हुसैन लस्कर, रजत कुमार सिंह और आफताब लस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 80,230 रुपए नकद, सात एंड्रॉयड मोबाइल फोन, सट्टेबाजी से जुड़ी नोटबुक और लेन-देन की चार कैलकुलेशन शीट बरामद की हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे स्पष्ट होता है कि यह गिरोह आईपीएल मैचों के दौरान सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था।

रोहा : मनोरमा भुइयां का जन्मदिन 'कहानी दिवस' के रूप में मना

जन जन विचार
...✍ रोहा

अखिल असम लेखिका समारोह समिति की रोहा शाखा द्वारा प्रख्यात साहित्यकार मनोरमा भुइयां का 89वां जन्मदिन 'साधु कथार दिन' (कहानी कहने का दिन) के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम रोहा के पंडित गोपीनाथ बरदलै विद्यापीठ परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें साहित्य और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। विभिन्न संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मनोरमा भुइयां को फूलाम गामोछा, उपहार, पुस्तकें और अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मनोरमा भुइयां की 46वीं पुस्तक 'साधु कथार कुकी' का विमोचन भी किया गया।

पृष्ठ 1 का शेषांश...

'हिंदुत्व' का डंका, विरोधी पस्त

काफी दूर है।

वोट शेयर से एनडीए की बढ़त और मजबूत हुई : एग्जिट पोल से भी पता चलता है कि एनडीए को वोट शेयर में स्पष्ट बढ़त हासिल है। गठबंधन को लगभग 48 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 38 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है, जो मतदाताओं के समर्थन में महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है। अकेले भाजपा का वोट शेयर लगभग 37 प्रतिशत है, जो गठबंधन में उसकी केंद्रीय भूमिका को उजागर करता है।

बंगाल में भाजपा का ...

नया रिकॉर्ड बन गया। पूरे चुनाव के दौरान भाजपा और टीएमसी की ओर से जमकर दावे किए गए। अब तक आए 6 एग्जिट पोल में से 5 एग्जिट पोल में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है तो वहीं सिर्फ एक एग्जिट पोल में टीएमसी को बढ़त है।

एग्जिट पोल के आए नतीजे ही असली नतीजों में बदलते हैं तो यह भाजपा के लिए बहुत बड़ी जीत होगी।

साल 2014 में केंद्र में आने के बाद भाजपा ने कई राज्यों में सरकार बनाई लेकिन बंगाल में अब जाकर पार्टी का सपना पूरा होता दिख रहा है। वहीं एग्जिट पोल के नतीजों को देखें तो यह ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। राज्य में टीएमसी का किला एग्जिट पोल नतीजों के हिसाब से ढहता हुआ दिख रहा है।

केरल में कांग्रेस की वापसी

है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को आक्रामक चुनाव प्रचार के बावजूद कोई खास प्रभाव डालने में मुश्किल हो सकती है। मैट्रिज के अनुसार, यूडीएफ को 70-75 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि एलडीएफ को 60-65 और एनडीए को 3-5 सीटें मिल सकती हैं। पीपुल्स पल्स ने यूडीएफ के लिए 75-85 सीटें, एलडीएफ के लिए 55-65 और एनडीए के लिए 0-3 सीटों का अनुमान लगाया है। एक्सिस माई इंडिया ने यूडीएफ की 78-90 सीटों के साथ आरामदायक जीत का अनुमान लगाया है, जबकि एलडीएफ के लिए 49-62 सीटें और एनडीए के लिए 0-3 सीटों का अनुमान है। नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। केरल में 140 विधानसभा सीटें हैं और यहां 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ। बहुमत के लिए 71 सीटों की आवश्यकता है। यदि 4 मई को एग्जिट पोल के अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह केरल में सत्ताधारी एलडीएफ को एक और बड़ा झटका होगा। वहीं, कांग्रेस के लिए यह एक दशक बाद महत्वपूर्ण वापसी का संकेत होगा, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में उसके बेहतर प्रदर्शन पर आधारित होगी। दक्षिणी राज्य में शासन, कल्याणकारी योजनाओं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के आरोपों और सत्ता विरोधी भावनाओं पर केंद्रित एक जोरदार चुनाव प्रचार देखने को मिला। यूडीएफ ने प्रशासनिक परिवर्तन और आर्थिक पुनरुद्धार के वादों पर चुनाव प्रचार किया, जबकि एलडीएफ ने पिनारयी विजयन की सरकार के तहत कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को प्रमुखता दी। भाजपा ने शहरी और तटीय क्षेत्रों में आक्रामक प्रचार के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया।

संपादकीय

तीसरी बार भरोसा

असम की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। ताजा एग्जिट पोल यह संकेत दे रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की ओर बढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक 126 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 88 से 100 सीटें मिल सकती हैं, जिनमें अकेले भाजपा 70 से 80 सीटों के साथ सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है। सहयोगी दल असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट भी इस बढ़त को मजबूती देते नजर आ रहे हैं।

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर असम की जनता बार-बार एनडीए पर भरोसा क्यों जता रही है? क्या यह विकास, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था में सुधार का परिणाम है, या फिर पहचान और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मतदाताओं का झुकाव? एग्जिट पोल का वोट शेयर भी इसी दिशा में इशारा करता है-लगभग 48 प्रतिशत समर्थन एनडीए के पक्ष में जाना एक मजबूत जनादेश का संकेत देता है।

वहीं, कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए यह चिंतन का विषय है कि 24 से 36 सीटों के अनुमान के साथ वह अभी भी निर्णायक चुनौती पेश करने में पीछे क्यों है। क्या संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व का अभाव या स्पष्ट एजेंडा न होना इसकी वजह है?

हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि एग्जिट पोल अंतिम परिणाम नहीं होते। असम की जनता का अंतिम फैसला ही वास्तविक तस्वीर सामने लाएगा। लेकिन फिलहाल जो संकेत मिल रहे हैं, वे साफ बताते हैं कि राज्य की राजनीति में स्थिरता और निरंतरता को मतदाता प्राथमिकता दे रहा है।

सुलगता सवाल ? आपके विचार

खामोश संगठन, बड़ा असर

पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस बार एक दिलचस्प और गहरी परत सामने आई है-वह 'खामोश संगठन' जिसकी चर्चा खुलकर कम, लेकिन असर व्यापक बताया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बढ़ती सक्रियता को लेकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यही वह अदृश्य ताकत है जिसने भारतीय जनता पार्टी के विस्तार की जमीन तैयार की?

तथ्य यह बताते हैं कि वर्षों में संगठन का जाल गांव-गांव, बूथ-बूथ तक फैला है। 500 शाखाओं से हजारों शाखाओं तक पहुंचना केवल संख्या का खेल नहीं, बल्कि निरंतर सामाजिक संपर्क और धैर्यपूर्ण विस्तार का संकेत है। यही वह मॉडल है जिसमें विचार पहले समाज में जाता है, राजनीति बाद में आती है। लेकिन क्या यह केवल सामाजिक कार्य है, या एक सुव्यवस्थित राजनीतिक आधार तैयार करने की रणनीति?

यह भी सवाल अहम है-क्या बंगाल का चुनाव केवल रैलियों और नारों से तय हो रहा है, या घर-घर पहुंचने वाली इसी 'माइक्रो-स्तरीय' रणनीति से? अगर हर बूथ पर कार्यकर्ता मौजूद है, हर मोहल्ले में संवाद हो रहा है, तो क्या यह पारंपरिक चुनावी प्रचार से कहीं ज्यादा प्रभावी नहीं?

दूसरी ओर, आलोचकों का तर्क है कि इस तरह की सक्रियता समाज में वैचारिक ध्रुवीकरण को भी बढ़ा सकती है। क्या यह सांस्कृतिक जागरण है या राजनीतिक ध्रुवीकरण? सच शायद इन दोनों के बीच कहीं है।

'धर्म पथ' पर मोदी- शाह

जन जन विचार
...✍ नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की तो अमित शाह ने कपिल मुनि आश्रम में महर्षि कपिल का पूजन कर देशवासियों के कल्याण की कामना की।

बंगाल में मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री का श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने का अधिक महत्व इसलिए है क्योंकि काशी (वाराणसी) को बंगालियों का दूसरा घर या सांस्कृतिक रूप से बंगाल के बहुत करीब माना जाता है। सदियों से बंगाली तीर्थयात्री, विद्वान और साधु-संत काशी आते रहे हैं, साथ ही कई बंगाली जमींदारों और राजाओं ने काशी में घाटों और मंदिरों का निर्माण करवाया। यही नहीं, वाराणसी में दशाश्वमेध घाट के पास स्थित 'बंगाली टोला' क्षेत्र में बंगाली समुदाय की घनी आबादी है, जहां बंगाली संस्कृति, भाषा और खान-पान का गहरा असर देखने को मिलता है। वहीं गुजरात के श्री सोमनाथ में त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरन और सरस्वती) के पास चंद्रभागा शक्तिपीठ स्थित है, जो बंगाली भक्तों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हुगली नदी पर किए गए नौका विहार का भी खास महत्व है। हुगली को 'आदि गंगा' के रूप में पूजा जाता है। बंगाल के लोगों के लिए हुगली का महत्व वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में गंगा का है। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुना था तो उन्होंने सबसे पहले यही कहा था कि मुझे तो मां गंगा ने बुलाया है। इसी तरह खुद को 'गंगापुत्र' कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल चुनावों के बीच हुगली को 'मां गंगा' कहकर संबोधित किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे उन्होंने अपनी छवि को बंगाल की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हुगली के किनारे समय बिताकर और बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा कर यह दिखाने की कोशिश भी की कि उनकी पार्टी बंगाल की जड़ों और विरासत का सम्मान करती है।

वहीं अमित शाह की गंगा सागर यात्रा भी काफी प्रभावशाली रही। सदियों से यह कहा जाता रहा है कि सब तीर्थ बार बार, गंगा सागर एक बार। अमित शाह ने इस यात्रा के जरिए भाजपा को बंगाल की जड़ों से जोड़ा। ऐतिहासिक कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर उन्होंने बंगाली धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने गंगा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक भारत को जोड़ने वाली एक आध्यात्मिक कड़ी बताया, जिससे भाजपा ने यह संदेश दिया कि बंगाल की संस्कृति पूरे भारत के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही अमित शाह ने गंगा सागर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ा, जो भाजपा की चुनावी रणनीति का मुख्य आधार रहा है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर भी बड़ा संदेश दिया। उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, ठनठनिया काली मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था। इस मंदिर में मां सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है। यहां की एक विशिष्ट परंपरा मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की है। इस मंदिर में पूजा कर प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया कि भाजपा बंगाल की विविध खान-पान और धार्मिक परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है, जिससे विरोधियों के 'शाकाहारी थोपने' के आरोपों का जवाब दिया गया। साथ ही यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से भी जुड़ा है, जो यहां अक्सर भजन गाने आते थे। इस यात्रा के जरिए भाजपा ने खुद को बंगाल के पुनर्जागरण और आध्यात्मिक महापुरुषों की विरासत से भी जोड़ा।

> बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं।

वहीं उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के दलित (नामशुद्र) समाज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में बांग्लादेश स्थित मतुआ समुदाय के जन्मस्थान ओराकांडी की भी यात्रा की थी। ठाकुरबाड़ी की वर्तमान यात्रा उस निरंतरता को दर्शाती है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। आस्था, संस्कृति और राजनीति के इस संगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक भारतीय चुनावों में प्रतीकवाद और भावनात्मक जुड़ाव उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने विकास और नीतिगत मुद्दे।

बिहार पुलिस भी करने लगी एनकाउंटर
हत्या के मुख्य आरोपी को किया काबू

जन जन विचार
...सीवान/पटना

बिहार के सीवान जिले में हुई सनसनीखेज हत्या के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। छोटू कुमार यादव नामक आरोपी को पुलिस ने जवाबी फायरिंग में दोनों पैरों में गोली मारकर काबू किया। घायल अवस्था में उसे पहले सदर अस्पताल और फिर बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

यह मामला भाजपा नेता मनोज कुमार सिंह के भांजे हर्ष कुमार सिंह की हत्या से जुड़ा है। 29 अप्रैल की शाम नगर थाना क्षेत्र में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब कार साइड करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी अचानक गोलीबारी में बदल गई। आरोपी और उसके साथियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसमें हर्ष कुमार सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। एसपी पुरन कुमार झा के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने वारदात में अन्य साथियों की संलिप्तता भी स्वीकार की।

पुलिस जब आरोपी को हथियार बरामदगी के लिए ले गई, तभी उसने अचानक पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे आरोपी घायल हो गया और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत ने पाक के परमाणु ठिकानों के पास किए थे हमले

जन जन विचार
...बीजिंग

चीन ने वैश्विक सुरक्षा स्थिति पर रिपोर्ट 2025 को जारी किया है। इस रिपोर्ट को चीन के विदेश मंत्रालय के अधीन चीन अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (जीएसआई) ने तैयार किया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपनी ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव के तहत बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों और पश्चिमी वर्चस्ववाद के बीच वैश्विक सुरक्षा स्थिरता पर जोर दे रहा है। 21 अप्रैल 2026 को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे जीएसआई का उद्देश्य 'वर्चस्ववाद' द्वारा संचालित बढ़ते अस्थिर वैश्विक माहौल का मुकाबला करना है। 88 पन्नों के इस दस्तावेज में भारत का जिक्र 12 बार आया है। इसमें यह भी कबूला गया है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों के पास हमला किया था।

वैश्विक सुरक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पहला जिक्र करते हुए लिखा है कि पिछले साल भारत और पाकिस्तान ने दो दशकों से भी ज्यादा समय में सबसे गंभीर टकराव देखा है। इसमें चीन ने आधिकारिक रूप से कबूल किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों के पास हमले किए थे। दरअसल, इस रिपोर्ट में पाकिस्तान के कैराना हिल्स पर भारत के हमलों का जिक्र है। ऐसी रिपोर्ट्स है कि भारत ने कैराना हिल्स में के पास स्थित परमाणु भंडारण के टनलों के एंट्री पॉइंट्स पर स्ट्राइक की थी। इसके अलावा, भारत ने परमाणु ब्लैकमेलिंग को खत्म करने के लिए पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस के पास भी हमला किया था।

इसमें क्वाड और अमेरिका संबंधों पर भी लिखा है, 'हालांकि अभी तक क्वाड शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है, फिर भी अमेरिका और भारत ने अपना सैन्य सहयोग बढ़ाना बंद नहीं किया है। अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ ने दोहराया कि

चीन ने किया बड़ा खुलासा

रक्षा सहयोग में भारत वाशिंगटन की पसंदीदा पसंद बना हुआ है। इस साल क्वाड की अध्यक्षता भारत के पास है, लेकिन अमेरिका की अनिच्छा के कारण क्वाड शिखर सम्मेलन का आयोजन नहीं हो सका है। चीन इसे अपने खिलाफ बना संगठन मानता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए चीन ने इस रिपोर्ट में लिखा है, 'दक्षिण एशिया में अशांति का दौरान और तेज हो गया है। भारत और पाकिस्तान दो दशकों से भी ज्यादा समय में सबसे भीषण सैन्य संघर्ष में उलझ गए हैं। 22 अप्रैल को, जम्मू और कश्मीर के पहलगाम शहर में सशस्त्र आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला किया। भारत ने इस घटना को पाकिस्तान से जोड़ा और कई कदम उठाए।'

गुब्बारे में कुकिंग गैस भरकर बना रहे खाना

जन जन विचार
...गुवाहाटी

पाकिस्तानी रसोई में सजा रहे जिंदा बम

पाकिस्तान में लोग खाना पकाने के लिए गुब्बारों में गैस जमा कर रहे हैं। यह बात भले आपको सुनने में अजीब लग रही हो पर बिल्कुल सच है।

कराची के कुछ हिस्सों में रहने वाले लोगों ने गैस को प्लास्टिक के गुब्बारों में जमा करना शुरू कर दिया है, क्योंकि लंबे समय तक चलने वाली गैस कटौती और कम प्रेशर के कारण उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। यह तरीका खास तौर पर कराची के ओरंगी टाउन इलाके में सामने आया है, जिसमें मोमिनाबाद भी शामिल है। यहां के निवासियों का कहना है कि गैस की अनियमित सप्लाई के कारण उनके पास कोई और चारा नहीं बचा है।

खास तौर पर डिजाइन किए गए प्लास्टिक के गुब्बारों को गैस सप्लाई के छोटे-छोटे अंतराल के दौरान भरा जाता है और बाद में इनका इस्तेमाल घर में खाना पकाने के लिए किया जाता है।

निवासियों ने बताया कि ये गुब्बारे स्थानीय बाजारों में लगभग 1,000 से 1,500 रुपए में उपलब्ध हैं। इन्हें तब भरा जाता है जब कुछ समय के लिए गैस की सप्लाई बहाल होती है।

एक बार भर जाने के बाद इन गुब्बारों को गैस लाइन से अलग कर दिया जाता है और फिर पूरे दिन खाना पकाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन्हें एक कामचलाऊ स्टोरेज सिस्टम के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

पृष्ठ 1 का शेषांश...

पुडुचेरी : एनडीए को...

का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में 3 से 7 सीटें जा सकती हैं। जेवीसी के एग्जिट पोल में भी भाजपा गठबंधन को 15 से 17 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 11 से 13 सीटें मिल सकती हैं। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को 1 से 2 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल में भी भाजपा गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। इस सर्वे में गठबंधन को 15 से 18 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। अन्य को 1 से 12 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

बता दें कि पुडुचेरी की 30 निर्वाचित सीटों के अलावा विधानसभा में 3 सदस्य उपराज्यपाल द्वारा नामित किए जाते हैं। पुडुचेरी में इस बार कुल 9,50,311 मतदाता थे। इनमें 4,46,361 पुरुष, 5,03,810 महिलाएं और 140 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे। इस चुनाव में कुल 294 उम्मीदवार मैदान में उतरे। अगर मतदान प्रतिशत की बात करें तो पुडुचेरी में इस बार रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार कुल 89.83 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 में रिकॉर्ड मतदान ने यह साफ कर दिया कि इस बार मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर लोकतांत्रिक भागीदारी निभाई। अब 4 मई को मतगणना के बाद ही साफ होगा कि आखिर सरकार किसकी बनने वाली है। एग्जिट पोल के आंकड़े अंतिम परिणाम नहीं हैं। नतीजे 4 मई को मतगणना के बाद आएंगे, तब स्पष्ट हो पाएगा कि पुडुचेरी में किसकी सरकार बनने जा रही है।

जन जन विचार
RNI Regd No. ASMUL/25/A2367
Head Office : Golapi Market, 1st Floor, Beltola, Guwahati 781029
Branch Office : JanJan Vichar, GMCH Road, Harbala Market, Bhangagarh, Guwahati - 781005
Contact : 89001 28012
Email: official.janjanvichar@gmail.com
Website: WWW.janjanvichar.in

ग्राहक सदस्यता फॉर्म

ग्राहक विवरण
पूरा नाम : ....
पूरा पता : ....
मोबाइल : .... व्हाट्सएप ....
ई-मेल (यदि हो) : ....

सदस्यता विवरण
अवधि : 1 वर्ष शुल्क : रु. 500/- मात्र

भुगतान विवरण
Bank Details
JAN JAN VICHAR
Bank : HDFC, Branch : Guwahati

घोषणा

ग्राहक के हस्ताक्षर : तिथि :

कार्यालय उपयोग हेतु

एसएच के परिणाम घोषित विज्ञान संकाय का बेहतर प्रदर्शन

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड डिविजन-2 ने वर्ष 2026 के कक्षा 12 (हायर सेकेंडरी) परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष कुल मिलाकर 81.54 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल रहे हैं। यह परिणाम राज्य के शिक्षा स्तर में स्थिर सुधार का संकेत देता है।

सबसे बेहतर प्रदर्शन साइंस स्ट्रीम का रहा, जहां 89.79 प्रतिशत छात्र पास हुए। इस स्ट्रीम में 60,667 छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 54,474 सफल रहे। बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की, जो उनकी मेहनत और तैयारी को दर्शाता है।

कॉमर्स स्ट्रीम में 81.13 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। 19,469 परीक्षार्थियों में से 15,796 छात्र पास हुए। वहीं आर्ट्स स्ट्रीम, जिसमें सबसे अधिक 2,41,124 छात्र शामिल हुए थे, उसका पास प्रतिशत 79.54 रहा। आर्ट्स में भी बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रथम और द्वितीय श्रेणी प्राप्त की।

वोकेशनल स्ट्रीम का परिणाम 74.20 प्रतिशत रहा, जो अन्य स्ट्रीम की तुलना में थोड़ा कम है, लेकिन इसमें भी छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक माना जा रहा है।

इस वर्ष तीन लाख से अधिक छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जो असम में शिक्षा के बढ़ते दायरे को दर्शाता है।

कुल मिलाकर, यह परिणाम छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और शिक्षा व्यवस्था के सामूहिक प्रयास का सकारात्मक उदाहरण है।

सोचिए, समझिए और मुस्कुराइए

बच्चों, अपने दिमाग को दीजिए एक हल्का-फुल्का व्यायाम और देखिए आप कितनी जल्दी इन सवालों के जवाब खोज पाते हैं।

1. केवल जोड़ का उपयोग करते हुए आठ बार 8 का इस्तेमाल करके 1000 कैसे प्राप्त करेंगे?
उत्तर : 888 + 88 + 8 + 8 + 8 = 1000

2. ऐसी कौन सी 3 संख्याएँ हैं जिनका योग और गुणन दोनों करने पर एक ही उत्तर आता है?
उत्तर : 1, 2 और 3

3. परसों मैं 10 साल का था। अगले वर्ष मैं 13 साल का हो जाऊँगा। यह बात साल में केवल एक ही दिन सच होती है। मेरा जन्मदिन कब है?
उत्तर : 31 दिसंबर

4. चार 7 (सात) और एक 1 (एक) का उपयोग करके 100 कैसे प्राप्त करेंगे?
उत्तर (1) : 177 - 77 = 100

सीबीएसई 12वी के परिणाम मई के तीसरे सप्ताह में

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कहा है कि 12वीं कक्षा का रिजल्ट मई के तीसरे सप्ताह में घोषित होने की उम्मीद है। सीबीएसई ने 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में तकनीकी खामियों और देरी से संबंधित कुछ समाचार पोर्टल की रिपोर्टों को गलत करार देते हुए स्पष्ट किया कि ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली (ओएसएम) के तहत मूल्यांकन प्रक्रिया तय समय के अनुसार आगे बढ़ रही है।

परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि छात्र मई के तीसरे सप्ताह में परिणामों की उम्मीद कर सकते हैं। नई प्रणाली में तकनीकी दिक्कतों को लेकर मीडिया रिपोर्टों में जो दावे किए गए हैं, वे वास्तविकता से बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने कहा, मूल्यांकन प्रक्रिया पिछले मूल्यांकन से भी बेहतर तरीके से चल रही है। इसमें किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है। बोर्ड को ओएसएम प्रणाली के सफल कार्यान्वयन पर गर्व है।

शिक्षकों से मिल रहे फीडबैक का जिक्र करते हुए भारद्वाज ने कहा कि शिक्षक इस प्रणाली से संतुष्ट हैं। कई शिक्षक मुझे सेल्फी, तस्वीरें और मैसेज भेजकर कह रहे हैं कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस सिस्टम में कार्य करने का मौका मिला। कुछ ऐसे शिक्षक भी इस प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जता रहे हैं, जिन्हें मूल्यांकन कार्य नहीं सौंपा गया है।

गौरतलब है कि सीबीएसई ने 2026 की बोर्ड परीक्षाओं से कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ओएसएम की शुरुआत करने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना है। परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू हुई थीं। सीबीएसई हर साल भारत 26 देशों में परीक्षाएं आयोजित करता है, जिसमें करीब 46 लाख छात्र शामिल होते हैं।

जूनियर एग्जीक्यूटिव समेत कई पदों पर भर्ती, 17 तक करें आवेदन

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने वर्ष 2026 के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने जूनियर एग्जीक्यूटिव, सेक्रेटरी और एसोसिएट एग्जीक्यूटिव समेत कई पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 17 मई 2026 निर्धारित की गई है।

इन पदों पर आवेदन के लिए अधिकतम आयु 32 से 35 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

शैक्षणिक योग्यता

जूनियर एग्जीक्यूटिव: मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल या इंस्ट्रुमेंटेशन में इंजीनियरिंग डिप्लोमा आवश्यक। साथ ही बीकॉम या बीबीए डिग्री भी मान्य।

सेक्रेटरी : स्नातक डिग्री अनिवार्य।

एसोसिएट एग्जीक्यूटिव : संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री जरूरी।

आवेदन प्रक्रिया

सबसे पहले बीपीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

होमपेज पर *ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन* लिंक पर क्लिक करें।

मांगी गई जानकारी सही-सही भरें।

आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

फॉर्म सबमिट कर उसका प्रिंट आउट सुरक्षित रखें।

महत्वपूर्ण सलाह

उम्मीदवार अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। अधूरी या देर से की गई आवेदन प्रक्रिया स्वीकार नहीं की जाएगी।

संघर्ष, सम्मान और अधिकारों की कहानी

1 मई : मजदूर दिवस

हर साल 1 मई को दुनिया भर में मजदूर दिवस या मई दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मेहनतकश वर्ग के संघर्ष, अधिकारों और सम्मान का प्रतीक है। इस दिन का इतिहास हमें बताता है कि आज जो श्रमिक अधिकार हमें सामान्य लगते हैं, वे लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद हासिल हुए हैं।

शिकागो से शुरू हुई चिंगारी

मजदूर दिवस की शुरुआत 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर से मानी जाती है, जब मजदूरों ने 8 घंटे काम के अधिकार की मांग को लेकर आंदोलन किया। यह आंदोलन हेयमार्केट अफेयर के रूप में इतिहास में दर्ज हुआ। इस घटना ने पूरी दुनिया को श्रमिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

भारत में मजदूर दिवस

भारत में मजदूर दिवस पहली बार 1923 में चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में मनाया गया था। इसका आयोजन सिंगारवेलु चेट्टियार ने किया था। तब से यह दिन श्रमिकों के अधिकार, न्यूनतम वेतन, कार्य समय और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा का मंच बन गया।

बदलता दौर, बदलती चुनौतियां

आज के समय में मजदूर केवल फैक्ट्रियों तक सीमित नहीं हैं। तकनीकी युग में गिग वर्कर्स, डिलीवरी एजेंट, और असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी भी इस श्रेणी में आते हैं। हालांकि परिस्थितियां बदली हैं, लेकिन चुनौतियां अब भी मौजूद हैं-जैसे रोजगार की अस्थिरता, कम वेतन और सामाजिक सुरक्षा की कमी।

सम्मान और जिम्मेदारी

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम अपने आसपास काम करने वाले लोगों के श्रम का सम्मान करते हैं? क्या उन्हें उचित वेतन और सुरक्षित कार्य वातावरण मिल रहा है? यह दिन केवल सरकारों के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति के लिए जिम्मेदारी का संदेश लेकर आता है।

मई दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की असली नींव मजदूरों के श्रम पर टिकी होती है। उनके बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए यह दिन केवल अतीत के संघर्षों को याद करने का नहीं, बल्कि एक बेहतर और न्यायपूर्ण भविष्य बनाने का संकल्प लेने का भी है।

भारत से भिड़ने से पहले टेंशन में पाक हॉकी टीम

जन जन विचार
...✍ कराची

एफआईएच मेन्स प्रो लीग 2026 में भारत के खिलाफ जून में होने वाले मुकाबलों से पहले पाकिस्तान हॉकी टीम के अंदर नाराजगी बढ़ती दिख रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाड़ी अपनी फेडरेशन से बेहद निराश हैं, क्योंकि टीम के लिए अभी तक न कोई ट्रेनिंग कैंप लगाया गया है और न ही कोई हाई-प्रोफाइल कोच नियुक्त किया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रो लीग के मुकाबले 23 जून और 26 जून को यूनाइटेड किंगडम में खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों का मानना है कि भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए बेहतर तैयारी जरूरी थी, लेकिन फेडरेशन ने इस दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया। एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहा है, 'पाकिस्तान ने 2016 के बाद भारत को नहीं हराया है, इसलिए खिलाड़ी पूरी तैयारी चाहते थे, लेकिन अब तक किसी कैंप या अंतर्राष्ट्रीय कोच के संकेत नहीं हैं। भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ यह चुनौती आसान नहीं है।'

लगातार हार से दबाव में पाकिस्तान

पाकिस्तान इस बार पहली बार नौ टीमों वाली प्रो लीग में खेल रहा है। उसे न्यूजीलैंड के हटने के बाद मौका मिला था। लेकिन मैदान पर टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पाकिस्तान अब तक अपने सभी मुकाबले हार चुका है। टीम को नीदरलैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसी टीमों ने हराया है। ऐसे में भारत और इंग्लैंड के खिलाफ अगला चरण पाकिस्तान के लिए करो या मरो जैसा हो सकता है।

भारत के खिलाफ चुनौती कठिन

भारत इस समय विश्व हॉकी की मजबूत टीमों में गिना जाता है। ऐसे में खराब तैयारी और कमजोर मनोबल के साथ पाकिस्तान के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा। भारत से बड़े मुकाबले से पहले पाकिस्तान हॉकी टीम के भीतर असंतोष सामने आना उनकी मुश्किलें बढ़ाने वाला संकेत है। अगर जल्द तैयारी, कोचिंग और सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो प्रो लीग में टीम का संघर्ष और बढ़ सकता है।

विदेशी कोच की मांग भी अनसुनी

खिलाड़ियों ने फेडरेशन से विदेशी कोच नियुक्त करने की मांग की थी। खास तौर पर रोलेंट ओल्टमंस जैसे अनुभवी कोच का नाम सामने आया, जिन्हें भारतीय खिलाड़ियों और टीम संरचना की अच्छी समझ है, लेकिन फेडरेशन ने यह मांग नहीं मानी और पूर्व ओलंपियन मंजूरुल हसन को मुख्य कोच बना दिया। सूत्रों ने कहा, 'मंजूरुल पुराने दौर के कोच हैं। उन्हें आधुनिक हॉकी और मौजूदा खिलाड़ियों की पर्याप्त जानकारी नहीं है, इसलिए यह नियुक्ति ज्यादा उपयोगी नहीं दिखती।'

आर्थिक परेशानियां भी बड़ी समस्या

खिलाड़ियों ने भुगतान और सुविधाओं को लेकर भी नाराजगी जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों से 120 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन भत्ते का वादा किया गया था, लेकिन मिस्र में क्वालीफाइंग दौर के दौरान उन्हें सिर्फ 40 डॉलर मिले। इसके अलावा खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध और मैच फीस भी नहीं मिल रही है। एक खिलाड़ी ने कहा, 'हॉकी खिलाड़ियों की हालत नहीं बदल रही, क्योंकि कोई सुनने वाला नहीं है। हमें कम भुगतान और बिना तैयारी के मैदान में उतरना पड़ रहा है।'

अब एशियाड की भी मेजबानी करेगा भारत!

नई दिल्ली। भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की चाहत और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के अधिकार मिलने के बाद अब भारत एशियाड कराने की भी इच्छा दिखा रहा है। इस महीने की शुरुआत में भारतीय ओलंपिक संघ ने ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया को 2038 में एशियाड की मेजबानी करने में दिलचस्पी को लेकर पत्र दिया। 2026 में एशियाड जापान के आइची-नागोया में 2030 में दोहा में और 2034 में रियाद में होगा।

बता दें कि, भारत ने 1951 में पहली बार एशियाड गेम्स की मेजबानी की थी। आखिरी बार इसका आयोजन 1982 में हुआ था। दोनों बार खेल नई दिल्ली में हुए थे। 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे। मेजबानी मिलने पर 2036 ओलंपिक भी यहीं होने की संभावना है। एशियाड को भी यहीं कराने की योजना होगी।

मोदी ने बच्चों संग खेला फुटबॉल

गंगटोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम दौरे के दौरान गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर एक अलग ही संदेश दिया। दो दिवसीय इस आधिकारिक यात्रा में प्रधानमंत्री ने युवाओं के साथ मैदान में समय बिताया और खेल भावना को बढ़ावा दिया।

यह दौरा सिक्किम के राज्यत्व के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। गंगटोक की सुबह में प्रधानमंत्री मोदी नीले जैकेट में नजर आए, जहां उन्होंने युवाओं के साथ पासिंग की, गोल की ओर शॉट लगाए और खेल के बाद हाई-फाइव कर उनका उत्साह बढ़ाया। प्रधानमंत्री का यह अंदाज युवाओं के बीच तेजी से चर्चा का विषय बन गया और खेल के प्रति जागरूकता का सकारात्मक संदेश भी दिया।

पृष्ठ 1 का शेषांश...

तमिलनाडु : डीएमके ...

(टीवीके) की चुनावी चुनौती को आसानी से खारिज कर दिया है। पी-मार्क और मैट्रिक्स के अनुमानों के अनुसार, गठबंधन को 122-132 सीटें मिल सकती हैं, जबकि पीपुल्स पल्स के अनुमानों के अनुसार उसे 125-145 सीटों का बड़ा अंतर मिलेगा। कम से कम अनुमान भी डीएमके के लिए लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के लिए पर्याप्त है। वहीं, सर्वेक्षण के आधार पर एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 65 से 100 सीटें मिलने का अनुमान है। इससे कुछ हद तक सुधार तो दिखता है, लेकिन अंतर को पाटने के लिए यह पर्याप्त नहीं है।

हां ! भगवान ने लगा दिया, ऊपर ही बोला था

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरे सीजन बल्ले से तबाही मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी सवालों के घेरे में भी बने हुए हैं। उनकी विध्वंसक बल्लेबाजी के बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या उनके बैट में एआई चिप है। पाकिस्तानी शो में एक्सपर्ट नौमान नियाज ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा कि शायद उनके के बैट में एआई चिप है। अब वैभव ने इस सवाल का मजेदार जवाब दिया है। वैभव का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

राजस्थान रॉयल्स ने अपने अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वैभव सूर्यवंशी से सवाल पूछा गया, क्या तुम्हारे बल्ले में एआई चिप है? सूर्यवंशी ने जवाब दिया, 'भगवान ने लगा के दिया। ऊपर ही बोला था कि बैट में तुम्हारे कुछ लगाके दे रहा हूं। उसका इस्तेमाल कर रहा हूं।'

आईपीएल 2026 में वैभव छाए हुए हैं। वह लीग के 19वें सीजन में अभी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 9 मैच की 9 पारियों में वह अब तक 44.44 की औसत और 238.10 की स्ट्राइक रेट से 400 रन बनाए हैं। इस दौरान वह 1 शतक और 2 अर्द्धशतक लगा चुके हैं। हैदराबाद के खिलाफ वैभव ने 36 गेंदों पर शतक ठोक दिया था।

बल्ले में एआई चिप, वैभव का खूबसूरत जवाब

'टॉक्सिक' का इंतजार बढ़ा

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया है। पहले यह फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे नई तारीख पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

छह भाषाओं में होगी रिलीज

फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी में शूट किया गया है, जबकि इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम समेत कुल 6 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

यश बोले-

यश ने इस फैसले को लेकर कहा कि 'टॉक्सिक' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक खास अनुभव है। इसे दुनिया भर के दर्शकों तक उसी स्तर पर पहुंचाना जरूरी है, जिसकी यह हकदार है।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म पूरी तरह तैयार है, लेकिन फिलहाल टीम इंटरनेशनल पार्टनरशिप और ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन को अंतिम रूप देने में जुटी है।

फिलहाल फैंस को नई तारीख का इंतजार करना होगा, लेकिन यह इंतजार शायद पहले से भी ज्यादा बड़ा सिनेमाई अनुभव लेकर आएगा।

कलावा बांधने और खोलने का सही समय और नियम

जरूरी है समय पर कलावा बदलना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब पुजारी मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधते हैं, तो उसमें सकारात्मक ऊर्जा और संकल्प स्थापित होता है।

ऊर्जा की अवधि : माना जाता है कि इसकी प्रभावशीलता लगभग 21 दिनों तक रहती है। **पवित्रता का महत्व :** रोजमर्रा के काम, स्नान और पसीने से धागा अशुद्ध हो सकता है। **आस्था का सम्मान :** पुराने, गंदे या टूटे हुए कलावे को पहनना शुभ नहीं माना जाता।

जन जन विचार
...✍ फीचर डेस्क

हिंदू परंपरा में कलाई पर बंधा कलावा (मौली) केवल एक धागा नहीं, बल्कि आस्था, संकल्प और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पूजा-पाठ या किसी शुभ कार्य के दौरान इसे मंत्रों के साथ बांधा जाता है, जिसे रक्षासूत्र भी कहा जाता है।

लेकिन अक्सर लोग इसे महीनों तक पहने रखते हैं-यहीं पर परंपरा और व्यवहार के बीच संतुलन समझना जरूरी हो जाता है।

कलावा बदलने का सही समय

शास्त्रों में कुछ विशेष दिन बताए गए हैं जब कलावा बदलना शुभ माना जाता है- मंगलवार और शनिवार विशेष रूप से शुभ, किसी व्रत या अनुष्ठान की समाप्ति पर, हर संक्रांति या कम से कम महीने में एक बार। यानी इसे 'टूटने तक पहनना' परंपरा नहीं, बल्कि लापरवाही माना जाता है।

पुराने कलावे को उतारने के नियम

यहां लोग सबसे ज्यादा गलती करते हैं-

- कैंची या ब्लेड से काटना नहीं चाहिए
- इसे हाथ से खोलकर उतारना चाहिए
- कूड़े में फेंकना अशुभ माना जाता है
- इसे बहते जल में प्रवाहित करना या पवित्र स्थान (पेड़/मंदिर) पर रखना बेहतर

पौराणिक मान्यता

माता लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उन्हें अपना भाई बनाया था। तभी से यह धागा रक्षा, विश्वास और संबंध का प्रतीक बन गया।

कलावा पहनना आस्था का विषय है, लेकिन उसे सही तरीके से निभाना भी उतना ही जरूरी है। समय पर बदलना, सम्मानपूर्वक उतारना और पवित्रता बनाए रखना-यही इसकी असली परंपरा है।

रेसिपी

बच्चों को खिलाएं आलू पनीर कटलेट

अक्सर माता-पिता इस चिंता में रहते हैं कि बच्चों को ऐसा क्या खिलाया जाए जो स्वादिष्ट भी हो और सेहतमंद भी। ऐसे में आलू पनीर कटलेट एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आता है।

सामग्री : 2-3 उबले हुए आलू, 1 कप कसा हुआ पनीर, 1 बारीक कटा प्याज, 1/2 कप हरा धनिया, 1/2 चम्मच जीरा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 1/4 चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 अंडा (वैकल्पिक), ब्रेडक्रम्ब्स, तलने के लिए तेल या घी

बनाने की विधि : सबसे पहले उबले हुए आलू को अच्छे से मैश कर लें ताकि कोई गांठ न रहे। अब इसमें कसा हुआ पनीर, प्याज, हरा धनिया, जीरा, गरम मसाला, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें।

जब मिश्रण तैयार हो जाए, तो इसे छोटे-छोटे गोल या टिक्की के आकार में बना लें। अगर आप कटलेट को ज्यादा क्रिस्पी बनाना चाहते हैं, तो इन्हें पहले फेंटे हुए अंडे में डुबोकर ब्रेडक्रम्ब्स में लपेट लें।

अब एक कढ़ाही या पैन में तेल या घी गरम करें और कटलेट को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलें। दोनों तरफ से अच्छी तरह सेकने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें।

440 मीटर लंबा तिरामिसू : स्वाद, रिकॉर्ड और समाजसेवा की अनोखी कहानी

दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों के लिए कई रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं, लेकिन इस बार जो हुआ, उसने मिठास की दुनिया में इतिहास रच दिया। लंदन में 100 से अधिक शेफ्स ने मिलकर लगभग आधा किलोमीटर लंबा तिरामिसू बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

25 और 26 अप्रैल को बने इस विशाल तिरामिसू की लंबाई 440.6 मीटर मापी गई, जिसे आधिकारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी। इसने 2019 में मिलान में बने 273.5 मीटर लंबे तिरामिसू का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यह आयोजन केवल आकार में ही नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति में भी अनोखा था-पूरे तिरामिसू को एक समान ऊंचाई और संरचना में तैयार किया गया, ताकि यह एक ही डेजर्ट के रूप में दर्ज हो सके।

क्या होता है तिरामिसू

तिरामिसू इटली का एक बेहद लोकप्रिय डेजर्ट है, जिसे कॉफी में डूबे लेडीफिंगर बिस्कुट, मस्कारपोन चीज, अंडे और चीनी से तैयार किया जाता है। ऊपर से कोको पाउडर की परत इसे खास स्वाद और आकर्षण देती है।

एक सौ शेफ्स की मेहनत

इस रिकॉर्ड को बनाने में 100 से ज्यादा इटैलियन शेफ्स ने हिस्सा लिया, जिनका नेतृत्व प्रसिद्ध शेफ मिर्को रिक्की ने किया।

इस दौरान इस्तेमाल हुई सामग्री चौंकाने वाली थी-50,000 लेडीफिंगर बिस्कुट, 3,000 से अधिक अंडे, बड़ी मात्रा में मस्कारपोन चीज और कॉफी

दिलचस्प बात यह है कि 2017 में भी यही रिकॉर्ड मिर्को रिक्की के नाम था, जिसे 2019 में मिलान ने तोड़ दिया था। अब उन्होंने फिर से यह खिताब अपने नाम कर लिया।

यह आयोजन सिर्फ एक रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं था। इससे जुटाई गई राशि को सामाजिक कार्यों, खासकर गरीबी उन्मूलन, के लिए दान किया गया।

लोगों ने इस विशाल तिरामिसू के हिस्से खरीदकर न केवल इसका स्वाद चखा, बल्कि एक नेक पहल में भी योगदान दिया।

यह कहानी सिर्फ एक डेजर्ट की नहीं, बल्कि सहयोग, जुनून और सामाजिक जिम्मेदारी की है।

जहां एक तरफ दुनिया का सबसे बड़ा तिरामिसू बना, वहीं दूसरी ओर यह संदेश भी गया कि बड़े काम केवल रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने के लिए भी किए जा सकते हैं।

पूर्वांचल प्रिंट्स की ओर से राजनाथ पाल द्वारा जीएमसीएच रोड, हरबाला मार्केट, भांगागढ़, गुवाहाटी-781005 से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपर्क : 69001 26012
ई-मेल:official.janjanvichar@gmail.com, वेबसाइट: www.janjanvichar.in
● कार्यकारी संपादक : सुभाष कुमार चौधरी ●संपादक : धनेश्वर चौधरी